दिनांक-22.04.2022

प्रेस विज्ञप्ति

****

भारतीय रेल, रेलवे स्टेशनों पर फुट-ओवर ब्रिजों, प्लेटफॉर्मों, प्रतीक्षालयों और कॉनकोर्सों पर डिस्प्ले स्क्रीन लगाएंगी जिसे रेलवे डिस्प्ले नेटवर्क (RDN) कहा जाता है।

रेलटेल भारतीय रेलवे के लिए आरडीएन परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है और अब इस उद्देश्य के लिए निविदा जारी की गयी है।

आरडीएन परियोजना के अंतर्गत लगभग 2000 स्टेशनों पर लगभग 65000 डिस्प्ले स्क्रीन लगाए जाएंगे।

प्रदर्शित की जाने वाली सूचना में ट्रेन के आगमन, प्रस्थान, ट्रेन रनिंग स्थिति, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाओं, यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा, आपातकालीन संदेश और आपदा प्रबंधन से संबंधित संदेश, यात्रियों के लिए सूचना, मनोरंजन और सामाजिक संदेश आदि से संबंधित जानकारी शामिल होगी।

सात हजार से अधिक रेलवे स्टेशनों से भारतीय रेलवे द्वारा प्रतिदिन 22 मिलियन यात्रियों का आवागमन हो रहा है।, चूँकि रेलवे स्टेशनों पर बहुत बड़ी संख्या में यात्री आते है अत: स्क्रीनों पर विज्ञापन प्रदर्शित करके भारतीय रेलवे के लिए गैर-किराया राजस्व उत्पन्न करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

आरडीएन रेल यात्रियों की यात्रा के सभी पहलुओं से संबंधित एकीकृत और व्यापक जानकारी की आवश्यकता को पूरा करेगा और साथ ही भारतीय रेलों के लिए गैर-किराया राजस्व उत्पन्न करने में भी सहयोग करेगा। श्री पुनीत चावला, सीएमडी, रेलटेल।

****

रेलटेल, रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक मिनी रत्न केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम, ने रेलवे स्टेशनों पर फुटओवर ब्रिजों, पैदल पुलों, प्लेटफार्मों, प्रतीक्षालयों और कॉनकोर्सों में भारतीय रेलों के यात्रियों की सुविधा के लिए एक बहुत बड़ी परियोजना के निष्पादन का कार्य प्रारंभ किया है, जिसका नाम है "केंद्रीकृत, नेटवर्ककृत और स्मार्ट डिस्प्ले स्क्रीन, जिसे रेलवे डिस्प्ले नेटवर्क (RDN) के रूप में जाना जाता है। रेलटेल ने हाल ही में लगभग 2000 स्टेशनों (सभी ए1, ए, बी, सी और डी श्रेणी के स्टेशनों) पर लगभग 65000 डिस्प्ले स्क्रीन लगाने के इस उद्देश्य से उपयुक्त आरडीएन बिजनेस सहयोगियों का चयन करने के लिए एक निविदा जारी करके कार्यान्वयन प्रक्रिया को प्रारंभ किया है कॉन्ट्रेक्ट दिए जाने के बाद से अगले दो वर्षों में इसे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना को रेलटेल द्वारा चयनित आरडीएन बिजनेस एसोसिएट (टों) के माध्यम से 10 वर्षों की अवधि में कार्यान्वित और प्रबंधित किया जाएगा, जिसे पारस्परिक रूप से स्वीकार्य निबंधनों एवं शर्तों पर अगले 5 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है।

इन बड़ी स्क्रीनों और वीडियो वॉल पर प्रदर्शित की जाने वाली सूचना में ट्रेन के आगमन, प्रस्थान, ट्रेन रनिंग स्थिति, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाओं, यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा, आपातकालीन संदेश और आपदा प्रबंधन से संबंधित संदेश, यात्रियों के लिए सूचना, मनोरंजन और सामाजिक संदेश आदि से संबंधित जानकारी शामिल होगी। इस सूचना में ऑडियो/वीडियो/सोशल मीडिया/लाइव/रिकॉर्डेड संदेश हो सकते है।

भारतीय रेलें देश भर में फैले सात हजार से अधिक रेलवे स्टेशनों से अपने नेटवर्क पर प्रतिदिन लगभग 22 मिलियन यात्रियों की ढुलाई करती हैं। चूँकि, रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ आती है **अतः** इन स्क्रीनों पर विज्ञापन प्रदर्शित करके भारतीय रेलवे के लिए गैर-किराया राजस्व सृजित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। आरडीएन को भारतीय रेलवे द्वारा बिना किसी पूंजी निवेश के एक आत्मनिर्भर मॉडल पर लगाने और संचालित करने की योजना है।

इसके साथ-साथ, एक मोबाइल ऐप भी विकसित किया जाएगा। मोबाइल ऐप

आरडीएन का पूरक होगा और आरडीएन की उपयोगिता और लाभों को बढ़ाएगा। मोबाइल एप्लिकेशन से यात्रा के दौरान यात्री अनुभव में सहायता की उम्मीद है। यात्री अपने अनुभव को बढ़ाने के लिए विशिष्ट सामग्री के साथ रेलवे से संबंधित सभी जानकारी प्राप्त करेंगे। एक व्यापक अनुभव प्रदान करने के लिए मोबाइल ऐप के माध्यम से परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल, होटल इत्यादि से संबंधित विभिन्न सहायक सहायता सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं।

इसके बारे में बात करते हुए, श्री पुनीत चावला, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/ रेलटेल ने कहा, "यात्रा के सभी पहलुओं से संबंधित एकीकृत और व्यापक सूचना रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी यात्री सुविधा है। आरडीएन इस आवश्यकता को बड़े पैमाने पर पूर्ण करेगा। प्रस्तावित आरडीएन से रेलवे स्टेशनों पर नेक्स्ट जनरेशन के केंद्रीकृत, कनेक्टेड डिस्प्ले नेटवर्क के माध्यम से रेलवे उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराई गई सूचना में क्रांतिकारी बदलाव की संभावना है। प्रस्तावित डिस्प्ले नेटवर्क बहुमुखी होगा अर्थात् किसी भी डिस्प्ले डिवाइस के लिए कोई भी सूचना स्रोत, संदर्भ जागरूकता दिखाएगा और रेलवे उपयोगकर्ताओं को सबसे उपयुक्त स्रोत से प्रासंगिक जानकारी देगा। इसके अलावा, यह भारतीय रेलों को विज्ञापन के माध्यम से गैर-किराया राजस्व सृजित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर मुहैया कराएगा। रेलटेल एक नोडल एजेंसी के रूप में आरडीएन सिस्टम को क्रियान्वित एवं प्रबंधित करेगी।

****

रेलटेल के बारे में:

रेलटेल, रेल मंत्रालय के अंतर्गत एक "मिनी रत्न (श्रेणी- I)" केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम, जो देश के सबसे बड़े तटस्थ दूरसंचार अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसके पास देश के कई कस्बों, शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को कॅवर करने वाला एक अखिल भारतीय ऑप्टिक फाइबर नेटवर्क है। ऑप्टिक फाइबर के 61000 से अधिक रूट किलोमीटर के एक मजबूत विश्वसनीय नेटवर्क के साथ, रेलटेल के पास दो इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) को पैनल वाले टियर III डेटा सेंटर भी हैं। अपने अखिल भारतीय उच्च क्षमता नेटवर्क के साथ, रेलटेल विभिन्न फ्रंटों पर एक नॉलेज सोसाइटी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है और

इसे दूरसंचार क्षेत्र में भारत सरकार की विभिन्न मिशन-मोड परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए चुना गया है। रेलटेल एमपीएलएस-वीपीएन, टेलीप्रेजेंस, लीज्ड लाइन, टॉवर को-लोकेशन, डाटा सेंटर सेवाएं आदि जैसी सेवाओं का एक समूह उपलब्ध कराता है। रेलटेल देश भर के रेलवे स्टेशनों पर सार्वजनिक वाई-फाई उपलब्ध कराकर रेलवे स्टेशनों को डिजिटल हब में बदलने के लिए भारतीय रेलवे के साथ भी कार्य कर रहा है और कुल 6100 स्टेशन रेलटेल के रेलवॉयर वाई-फाई के साथ लाइव हैं।

अधिक जानकारी के लिएः
sucharita@railtelindia.com